

2021
SANSKRIT
[HONOURS]
Paper : IV

Full Marks : 100

Time : 4 Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*1. Answer any **five** questions: 1×5=5

যে-কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) What is 'त्रयी' according to Kautilya?
কৌটিল্যের মতানুযায়ী 'ত্রयी' বলতে কি বোঝায়?
- b) Why was वैदेहः करालः perished?
वैदेहः करालः কেন বিনাশপ্রাপ্ত হয়েছিলেন?
- c) Mention the name of the commentator of 'मिताक्षरा' commentary on 'याज्ञवल्क्यसंहिता'।
'याज्ञवल्क्यसंहिता'-এর 'मिताक्षरा' টীকাকারের নাম উল্লেখ কর।

- d) “अशोतिभागो वृद्धिः स्यात् मासि मासि सबन्धके”—
What is the meaning of the sentence?
“अशोतिभागो वृद्धिः स्यात् मासि मासि सबन्धके”—এই বাক্যটির অর্থ কি?
- e) Which topic is furnished in the Chapter-VII of 'मनुसंहिता'?
কোন বিষয়টি 'मनुसंहिता'-এর সপ্তম অধ্যায়ে বর্ণিত হয়েছে?
- f) “सर्वतेजोमयो हि सः”—Who is 'सर्वतेजोमयो'?
“सर्वतेजोमयो हि सः”—‘सर्वतेजोमयो’ কে?
- g) “जाङ्गलं शस्यसम्पन्नमार्यप्रायमनाविलम्”—What is the meaning of the word 'जाङ्गलम्'?
“जाङ्गलं शस्यसम्पन्नमार्यप्रायमनाविलम्”—‘जाङ्गलम्’-এই পদটির কি অর্থ?

2. Answer any **ten** questions: 2×10=20

যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) What are the characteristic features of the messenger like निसृष्टार्थ?
निसृष्टार्थ-দূতের বৈশিষ্ট্যগুলি কি কি?
নিসৃষ্টার্থ-দূতের বৈশিষ্ট্যগুলি কি কি?
- b) What are the general features of the लुब्धवर्गः?
लुब्धवर्ग-এর সাধারণ বৈশিষ্ট্যগুলি কি কি?

- c) “स्मृत्योविरोधे न्यायस्तु बलवान् व्यावहारतः।
अर्थशास्त्रान्तु बलवद्धर्मशास्त्रमिति स्थितिः।”
—Write the meaning of the above mentioned
śloka.
উপরে উল্লিখিত শ্লোকটির অর্থ লেখ।
- d) What is ‘आधि’ according to ‘याज्ञवल्क्य’?
‘याज्ञवल्क्य’-এর মতানুসারে ‘আধি’ কি?
- e) According to ‘याज्ञवल्क्य’, what is the monthly
interest of mortgaged debt?
‘याज्ञवल्ক্য’-এর মতানুযায়ী সবন্ধক ঋণের ক্ষেত্রে
মাসিক বৃদ্ধি বা সুদ কত হবে?
- f) Who is ‘प्रतिभू’? How many प्रतिभू's are
mentioned by ‘याज्ञवल्क्य’?
‘प्रतिभू’ কে? ‘याज्ञवल्क্য’ কতজন प्रतिभূ-র উল্লেখ
করেছেন
- g) According to Manu which fort is the best for
the king and why?
মনুর মতানুযায়ী রাজার পক্ষে কোন্ দুর্গ শ্রেষ্ঠ ও
কেন?
- h) “बालोऽपि नावमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः” —Inspite
of being in his boyhood why should a king

not be ignored of and treated as a mere human
being of the common sort?

“बालोऽपि नावमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः” —बालक
हलेओ राजाके साधारण मनुष्य ज्ञाने अवज्ञा करा
उचित नय केन?

- i) “सममब्राह्मणे दानं द्विगुणं ब्राह्मणब्रुवे” —Explain the
word ‘ब्राह्मणब्रुव’ as furnished by ‘मनु’ in ‘मनुसंहिता’.
“सममब्राह्मणे दानं द्विगुणं ब्राह्मणब्रुवे” —‘मनुसंहिता’-তে
মনুকর্তৃক উপস্থাপিত ‘ब्राह्मणब्रुव’ পদটি ব্যাখ্যা কর।
- j) Give the characteristics of ‘आन्वीक्षिकीविद्या’
after Kaṭilya.
কৌটিল্য অনুসারে ‘आन्वीक्षिकीविद्या’-র বৈশিষ্ট্যগুলি
উপস্থাপিত কর।
- k) Quote the view of ‘भारद्वाज’ about the selection
of ministers (अमात्योपत्तिः) described by
Kaṭilya.
কৌটিল্যবর্ণিত ‘अमात्योपत्तिः’ বিষয়ে ‘भारद्वाज’-এর
মতামত উল্লেখ কর।
- l) “तेन भृता राजानः प्रजानां योगक्षेमवद्वा” —What is
the meaning of ‘योगक्षेम’ as furnished in
Arthaśāstra?
“तेन भृता राजानः प्रजानां योगक्षेमवद्वा” —अर्थशास्त्रे
उपस्थापित ‘योगक्षेम’ शब्दটির अर्थ कि?

3. Answer any **five** questions: 6×5=30

যে-কোনো **পাঁচটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) What are the qualities, importance and duties of a messenger as stated in the 'মনুসংহিতা'?
'মনুসংহিতা'-তে বর্ণিত দূতের গুণাবলী, গুরুত্ব ও কার্যাবলী কি কি?
- b) Write a brief note on the 'উপনিধি' after 'যাজ্ঞবল্ক্য'.
'যাজ্ঞবল্ক্য' অনুসরণে 'উপনিধি' সম্পর্কে সংক্ষেপে লেখ।
- c) Write a short note on 'সংসৃষ্টী', according to 'যাজ্ঞবল্ক্য'.
'যাজ্ঞবল্ক্য'-এর মতানুযায়ী 'সংসৃষ্টী' সম্পর্কে সংক্ষেপে লেখ।
- d) According to 'কৌটিল্য', what steps should be taken by a king to win over the dissatisfied ক্রুদ্ধবর্গs?
কৌটিল্যের মতানুযায়ী একজন রাজা কি প্রকারে অতৃপ্ত ক্রুদ্ধবর্গ-দের উপর জয়লাভ করতে সমর্থ হবেন?

e) Translate into Bengali or English:

বাংলা অথবা ইংরেজীতে অনুবাদ কর :

নেতি বাহুদন্তীপুত্র:। শাস্ত্রবিদদৃষ্টকর্মা কর্মসু বিষাদং গच्छेत्।
अभिजनप्रज्ञाशौचशौर्यानुरागयुक्तानमात्यान् कुर्वीत,
गुणप्राधान्यदिति।
सर्वमुपपन्नमिति कौटिल्य:, कार्यसामर्थ्याद्धि पुरुषसामर्थ
कल्प्यते।

OR

न हि एवं विधं वशोपनयनमस्ति भूतानां यथा दण्ड
इत्याचार्या:।

नेति कौटिल्य:। तीक्ष्णदण्डो हि भूतानामुद्वेजनीय:। मृदुदण्ड:
परिभूयते।

यथार्हदण्ड: पूज्य:। सुविज्ञातप्रणीतो हि दण्ड: प्रजा
धर्मार्थकामैर्योजयति।

f) Explain fully in Sanskrit:

সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা কর :

सर्वो दण्डजितो लोको दुर्लभो हि शुचिर्नर:।

दण्डस्य हि भयात् सर्वजगद् भोगाय कप्लते॥

OR

नास्य छिद्रं परो विद्याद् विद्याच्छिद्रं परस्य तु।

गूहेत् कूर्म इवाङ्गानि रक्षोत् विवरात्मन:॥

